प्रेस विज्ञप्ति

सुरक्षित, स्वस्थकारी और संधारणीय खाद्य प्रणाली की दिशा में प्रयासों का प्रदर्शन करने वाले ईटस्मार्ट सिटीज चैलेंज के विजेताओं के रूप में 11 स्मार्ट सिटीज

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2022: भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के तत्वावधान में स्मार्ट सिटीज मिशन के सहयोग से आज एक ऑनलाइन कार्यक्रम में ईटस्मार्ट सिटीज चैलेंज के विजेताओं की घोषणा की। विजेता रहे 11 शहरों में चंडीगढ़, इंदौर, जबलपुर, जम्मू, पणजी, राजकोट, राउरकेला, सूरत, सागर, टुमकुरु और उज्जैन शामिल हैं। ये शहर अब चुनौती के स्केल अप चरण में प्रवेश करेंगे, जिसमें पायलट चरण में शुरू की गई परियोजनाओं को अब संधारणीय रूप से बढ़ाया जाएगा।

अप्रैल 2021 में शुरू हुए ईटस्मार्ट सिटीज चैलेंज का उद्देश्य स्मार्ट शहरों को एक ऐसी योजना विकसित करने और निष्पादित करने के लिए प्रेरित करना है जिससे विभिन्न ईट राइट इंडिया पहलों को अपनाने के माध्यम से एक स्वस्थ, सुरक्षित और संधारणीय खाद्य वातावरण को समर्थन मिलेगा। कुल 108 शहरों ने चुनौती में पंजीकरण कराया था, जिनमें से 20 शहरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक बाह्य जूरी पैनल द्वारा मूल्यांकन के लिए चुना गया था। अगले चरण में स्केल अप के लिए 11 शहरों को विजेताओं के रूप में चुना गया है और उनमें से प्रत्येक को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 50 लाख रुपये से सम्मानित किया जाएगा। विजेता शहरों की सूची अनुलग्नक 1 पर है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://eatrightindia.gov.in/eatsmartcity/home देखें।

स्केल अप चरण में, शहर बड़े पैमाने पर विभिन्न ईट राइट इंडिया कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में खाद्य प्रणाली दृष्टिकोण के माध्यम से अत्यधिक महत्वाकांक्षी स्वरुप का दृष्टिकोण अपनाएंगे। शहरों का समर्थन करने के लिए, एफएसएसएआई फूड फाउंडेशन, यूके के साथ मिलकर तकनीकी सहायता प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए कई प्रकार की गतिविधियों और विचार-विमर्श सत्रों का आयोजन करेगा।

इस चुनौती के माध्यम से, शहरों में समग्र खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस अवसर पर एफएसएसएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण सिंघल ने कहा कि *"ईटस्मार्ट सिटीज चैलेंज शहरी आबादी को सही भोजन करने के लिए प्रेरित करके उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। इस चुनौती से हमारे देश के खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित, स्वस्थ और जलवायु के अनुकूल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर किए जाने वाले प्रयासों में मदद मिलेगी। इस चुनौती में अग्रणी रहे 11 चुने शहर दुनिया के लिए प्रेरणा-स्रोत सिद्ध हो रहे हैं और उनके लिए नूतनता का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। मैं सभी भाग लेने वाले शहरों द्वारा प्रदर्शित प्रयासों की सराहना करता हूं और आशा करता हूं कि आने वाले वर्षों में सही भोजन की पद्धतियों के प्रति बड़े पैमाने पर सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन की दिशा में आमूल चूल परिवर्तन आएगा।"*

श्री मनोज जोशी, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने कहा कि *"चूंकि भारत में शहरीकरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है, जहां हर दो सेकंड में, हमारे बीच में से ही कोई न कोई बेहतर जीवन की तलाश में किसी न किसी शहर की ओर रुख कर लेता है, इसलिए, शहरों में सभी के लिए सुरक्षित और स्वस्थ भोजन सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। यह गर्व की बात है कि आज हम ईट राइट इंडिया का दृष्टिकोण इस चुनौती के सहारे स्मार्ट शहरों के स्तर तक बढ़ते हुए देख रहे हैं। इन 11 शहरों के प्रयासों से, हम यह आशा करते हैं कि एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत होगी जिससे सभी शहर अपनी खाद्य प्रणालियों में परिवर्तन करने, खाद्य सुरक्षा और नियामक वातावरण को सुदृढ़ करने, उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता उत्पन्न करने और भारत के शहरों में बेहतर भोजन विकल्प बनाने के लिए प्रेरित होंगे।"*

श्री फ़िलिपो गावाज़ेनी, एमयूएफपीपी सचिवालय के प्रमुख, सिटी आफ मिलान, ने कहा, "भारत के ईटस्मार्ट सिटीज़ चैलेंज में जज के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना एमयूएफपीपी के लिए सम्मान की बात है। मिलान अर्बन फूड पॉलिसी पैक्ट दुनिया भर के 200 से अधिक शहरों का एक नेटवर्क है जो शहरी खाद्य प्रणालियों में परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस चुनौती में भाग लेने वाले शहरों ने अपने नागरिकों को सुरक्षित और स्वस्थ भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रयास और बढ़ती इच्छा का

प्रदर्शन किया है। ईटस्मार्ट समाधानों के कार्यान्वयन में जो तेजी आयी है, उससे हम प्रभावित हैं।"

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

रुचिका शर्मा
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण
ई:
sharmaruchika.21@gmail.com